SAMPLE QUESTION PAPER (2023-24)

PSYCHOLOGY (592)

CLASS- 12th

MARKING SCHEME

Q. N0.		Distribution of Marks	NCERT Book Page No.
	PART - A		
1	(d) कायिक विकार Somatic Disorder	1	84 76
2	(b) टोकन अर्थव्यवस्था Token Economy	1	104 98
3	(a)सुदर्शन क्रिया Sudarshan Kriya	1	109 103
4	(b) मूल्य Beliefs	1	116 109
5	(a) दर्शक Audience	1	140 132
6	(b) कर्षण शक्ति Valence	1	116 109
7	व्यामोह Delusions	1	86 80
8	फ्रिट्ज हाइडर Fritz Heider	1	119 112
9	परिवार, जाति, धर्म (कोई दो) Family ,Caste, Religion (any two)	0.5+0.5	144 135
10	तनाव Strain	1	56 52
11	द्विध्रुवीय भावदशा विकार Bipolar mood disorder	1	86 79
12	सामाजिक स्वैराचार Social Loafing	1	145 137
13	a	1	18 17
14	a	1	29

Downloaded from cclchapter.com

			27
15	c	1	60 55
	PART - B		
16	सांवेगिक बुद्धि का संप्रत्यय सबसे पहले सैलोवी तथा मेयर ने दिया था। इन लोगों के अनुसार " अपने तथा दूसरे व्यक्तियों के संवेगो का परिवीक्षण करने और उनमें विभेदन करने की योग्यता तथा प्राप्त सूचना के अनुसार अपने चिंतन तथा व्यवहारों को निर्देशित करने की योग्यता ही सांवेगिक बुद्धि है।" (1.5 अंक) सांवेगिक लब्धि (EQ) का प्रयोग सांवेगिक बुद्धि को मापने के लिए किया जाता है। (0.5 अंक) Emotional intelligence was first introduced by Salovey and Mayer. They considered emotional intelligence as "the ability to monitor one'sown and other's emotions, to discriminate among them, and to use theinformation to guide one's thinking and actions". (1.5 Marks) Emotional Quotient (EQ) is used to express emotional intelligence. (0.5 Mark)	1.5+0.5 1.5+0.5	18 17
17	जुंग के अनुसार अंतर्मुखी वह लोग होते हैं जो अकेले रहना पसंद करते हैं, दूसरों से बचते हैं, सांवेगिक द्वंद्वो से पलायन करते हैं और शर्मीले होते हैं। (1 अंक) बहिर्मुखी वह लोग होते हैं जो सामाजिक तथा बहिर्गामी होते हैं और ऐसे व्यवसायों का चयन करते हैं जिसमें लोगों से वह प्रत्यक्ष रूप से संपर्क बनाए रख सकें । लोगों के बीच में रहते हुए तथा सामाजिक कार्यों को करते हुए दबावों के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं। (1 अंक) According to Jung ,introverts are people who prefer to be alone, tend to avoid others, withdraw themselves in the face of emotional conflicts, and are shy. (1 Mark) Extroverts, on the other hand, are sociable, outgoing, drawn to occupation that allow dealing directly with people, and react to stress by trying to lose themselve4s among people and social activity. (1 Mark)	1+1 1+1	33 31

Downloaded from cclchapter.com

18	सामाजिक दबाव बाह्य जनित होते हैं तथा दूसरे लोगों के साथ हमारी अंतः क्रियाओं के कारण उत्पन्न होते हैं । इस प्रकार की सामाजिक घटनाएं जैसे परिवार में किसी की - मृत्यु या बीमारी, तनावपूर्ण संबंध, पड़ोसियों से परेशानी सामाजिक दबाव के कुछ उदाहरण हैं। (1 अंक) यह सामाजिक दबाव व्यक्ति व्यक्ति में भिन्न होते हैं। एक व्यक्ति जो अपने घर में शाम को शांति पूर्वक बिताना चाहता है उसके लिए उत्सव या पार्टी में जाना दबावपूर्ण हो सकता है जबकि किसी बहुत मिलनसार व्यक्ति के लिए शाम को घर में बैठे रहना दबावपूर्ण हो सकता है। (1 अंक) अथवा बायोफीडबैक: यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा दबाव के शरीर क्रियात्मक पक्षों का परिवीक्षण कर उन्हें कम करने के लिए फीडबैक दिया जाता है कि व्यक्ति में वर्तमानकालिक शरीर क्रियाएं क्या हो रही हैं। (1अंक) प्राय: इसके साथ विश्रांति प्रशिक्षण का भी उपयोग किया जाता है। बायोफीडबैक प्रशिक्षण में तीन अवस्थाएं होती हैं। (1अंक) Social stress is induced externally and result from our interaction with other people. Social events like death, illness in family, issues with neighbors are examples of social stress. Stress differs from person to person. (1 Mark) For example, a quiet person will find it stressful to attend parties who is more interested in spending a quiet evening at home, whereas for an outgoing person staying at home will be very stressful. (1 Mark) OR Biofeedback: Procedure to monitor and reduce the physiological aspects of stress by providing feedback about current physiological activity. (1 Mark) It is often accompanied by relaxation training. It is conducted in three phases. (1 Mark)	1+1 1+1 1+1 1+1	60 67 56 62

Downloaded from cclchapter.com

19	जिन लोगों को दुर्भीति होती है उन्हें किसी विशिष्ट वस्तु, लोग या स्थितियों के प्रति अविवेकीय या अतर्क भय होता है। दुर्भीति बहुधा धीरे-धीरे या सामान्यकृत दुश्चिंता विकार से उत्पन्न होती है। (1.5 अंक) दुर्भीति को मुख्यतः तीन प्रकार का माना जा सकता है - विशिष्ट दुर्भीति, सामाजिक दुर्भीति , विवृति दुर्भीति। (0.5 अंक) Irrational fears related to specific objects, people, or situations are called phobia. (1.5 Marks) Phobias can be grouped into three main types, i.e. specific phobias, social phobias, and agoraphobia. (0.5 Mark)	1.5+0.5 1.5+0.5	82 76
20	सहानुभूति में व्यक्ति को दूसरे के कष्ट के प्रति दया और करुणा तो होती है किंतु दूसरे व्यक्ति की तरह वह अनुभव नहीं कर सकता। (1 अंक) तद्नुभूति में व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की दुर्दशा को समझ सकता है तथा उसी की तरह अनुभव कर सकता है। (1 अंक) In sympathy one hascompassion and pity towards the suffering of another but is not able to feel like the other person. (1 Mark) Empathy- understanding the plight of another person as well understanding things from other's perspective. (1 Mark)	1+1 1+1	98 91
21	सामान्यतः लोग निम्न कारणों से समूह में सम्मिलित होते हैं: सुरक्षा: जब हम अकेले होते हैं तो असुरक्षित अनुभव करते हैं । समूह इस असुरक्षा को कम करता है। व्यक्तियों के साथ रहना आराम की अनुभूति और संरक्षण प्रदान करता है। प्रतिष्ठा या हैसियत - जब हम किसी ऐसे समूह के सदस्य होते हैं जो दूसरे लोगों द्वारा महत्वपूर्ण समझे जाते हैं तो	1+1	140

Downloaded from cclchapter.com

	हम सम्मानित महसूस करते हैं तथा शक्ति बोध का अनुभव करते हैं। (कोई भी दो कारण, प्रत्येक का 1 अंक) अथवा समूह की प्रारंभिक स्थिति जो भी हो समूह में विचार विमर्श के परिणाम स्वरुप यह स्थिति और मजबूत हो जाती है। समूह में अंत: क्रिया और विचार - विमर्श के परिणामस्वरूप समूह की प्रारंभिक स्थिति की इस प्रबलता या मजबूती को समूह ध्रुवीकरण कहा जाता है। These are the factors which motivated people to join that group: (i) Security: When we are alone, we feel insecure. Groups reduce this insecurity. Being with people gives a sense of comfort, and protection. (ii) Status : When we are members of a group that is perceived to be important by others, we feel recognized and experience a sense of power. Suppose our school wins in an inter-institutional debate competition, we feel proud and think that we are better than others. (Any two reasons, 1 mark for each) OR Group Polarization is a group influence which refers to the strengthening of groups initial position as a result interaction and discussion. As a result of group discussion opinion shifts towards more extreme positions than those which they initially held.	2 1+1 2	146 132 137
	SECTION - C		

Downloaded from cclchapter.com

22	सामान्यतः सभी मनोवैज्ञानिकों की इस तथ्य पर सहमति है कि बुद्धि अनुवांशिकता (प्रकृति) तथा पर्यावरण (पोषण) की जटिल अंतः क्रिया का परिणाम होती है। अनुवांशिकता द्वारा किसी व्यक्ति की बुद्धि की परिसीमाएं तय हो जाती हैं और बुद्धि का विकास उस परिसीमा के अंतर्गत पर्यावरण में उपलब्ध अवलंबों और अवसरों द्वारा निर्धारित होता है। अध्ययनों में भी यह पाया गया है कि साथ - साथ पाले गए समरूप जुड़वा बच्चों की बुद्धि में 0.90 सह संबंध पाया गया है । समरूप जुड़वा बच्चों की बुद्धि में 0.72सह संबंध है, साथ-साथ पाले गए भ्रातृ जुड़वा बच्चों की बुद्धि में लगभग 0. 60 से सह संबंध है। साथ -साथ पाले गए भाई बहनों की बुद्धि में 0.50 सहसंबंध तथा अलग-अलग पाले गए सहोदरों की बुद्धि में 0. 25 सहसंबंध पाया गया है। (1.5अंक) बुद्धि पर पर्यावरण के प्रभाव के संबंध में किए गए अध्ययनों से यह ज्ञात हुआ है कि जैसे जैसे बच्चों की आयु बढ़ती जाती है उनका बौद्धिक स्तर गोद लेने वाले माता-पिता की बुद्धि के स्तर के निकट पहुंच जाता है। सुविधा वंचित परिस्थितियों वाले घरों के जिन बच्चों को उच्च सामाजिक आर्थिक स्थिति के परिवारों द्वारा गोद ले लिया जाता है उनकी बुद्धि प्राप्ताकों में अधिक वृद्धि दिखाई देती है। यह इस बात का प्रमाण है कि पर्यावरणीय वंचन बुद्धि के विकास को घटा देता है जबकि प्रचुर एवं समृद्ध पोषण अच्छी पारिवारिक पृष्ठभूमि तथा गुणवत्ता युक्त शिक्षा - दीक्षा तथा बुद्धि में वृद्धि कर देती है। (1.5अंक) There is a general consensus among psychologists that intelligence is a product of complex interaction of heredity (nature) and environment (nurture). Heredity can be viewed as something that sets a range within which an individual's development is actually shaped by the support and opportunities of the environment. Studies have also shown correlation between intelligence of identical twins reared together(.90) , identical twins reared apart	1.5+1.5	11

Downloaded from cclchapter.com

	(.72)fraternal twins reared together (.60) and siblings reared together (.50)and sibling reared apart (.25). (1.5 Marks) With respect to the role of environment, studies have reported that as children grow in age, their intelligence level tends to move closer to their adoptive parents. Children from disadvantaged homes adopted into families of higher socio-economic status exhibit a largeincrease in their intelligence scores. There is evidence that environmental deprivation lowers intelligence while rich nutrition, good family background and quality schooling increases intelligence. Intelligence is a product of heredity and environment. (1.5 Marks)	1.5+1.5	10
23	व्यक्तित्व के अध्ययन के लिए निम्नलिखित उपागमों का उपयोग किया जाता है- प्ररूप उपागम :व्यक्ति के व्यवहारपरक विशेषताओं को समझने का प्रयास करता है। (1.5 अंक) विशेषक उपागम: विशिष्ट मनोवैज्ञानिक गुणों पर बल देता है जिसके आधार पर व्यक्ति संगत और स्थिर रूपों में भिन्न होते हैं । उदाहरण के लिए एक व्यक्ति अधिक मैत्रीपूर्ण व्यवहार कर सकता है और दूसरा कम। (1.5 अंक) Following are the approaches used in the study of personality. Type approach: It focuses on behavioral characteristics of individuals. (1.5 Marks) Trait approach: It focuses on the specific psychological attributes in an individual like for example one person may be less shy in comparison to others; or one person may be less friendly, whereas another may be more. (1.5 Marks)	1.5+1.5 1.5+1.5	32 30
24	सेल्ये ने अध्ययन के दौरान पशुओं को विभिन्न दबाव कारक जैसे उच्च तापमान एक्स-रे तथा इंसुलिन की सुई लगाकर		

Downloaded from cclchapter.com

	लंबे समय तक प्रयोगशाला में रखा। उन्होंने विभिन्न चोटों तथा बीमारियों से पीड़ित रोगियों का परीक्षण अस्पतालों में जाकर किया। सेल्ये ने इस प्रतिरूप को सामान्य अनुकूलन संरक्षण या जी ए एस का नाम दिया। उनके अनुसार जी ए एस के 3 चरण होते हैं सचेत प्रतिक्रिया ,प्रतिरोध तथा परिश्रांति 1. सचेत प्रतिक्रिया चरण- किसी हानिकर उद्दीपक या दबाव कारक की उपस्थिति के कारण एड्रेनल पीयूष कॉर्टेक्स तंत्र का सक्रियण हो जाता है। यह उन अंतः स्त्रावों को छोड़ने के लिए प्रेरित करता है जिससे दबाव अनुक्रिया होती है । अब व्यक्ति संघर्ष या पलायन के लिए तैयार हो जाता है। 2. प्रतिरोध चरण- यदि दबाव दीर्घकालिक होता है तो प्रतिरोध चरण प्रारंभ होता है परानुकंपी तंत्रिका तंत्र, शरीर के संसाधनों का अधिक सावधानी पूर्वक उपयोग करने को उद्धत करता है। जीव खतरे का सामना करने के लिए मुकाबला करने का प्रयास करता है। 3. परिश्रांति चरण - एक ही दबाव कारक अथवा अन्य दबाव कारकों के समक्ष दीर्घकालिक उदभाषण से शरीर के संसाधन निष्कासित हो जाते हैं जिसके कारण परिश्रांति का तीसरा चरण आता है। सचेत प्रतिक्रिया तथा प्रतिरोध चरण में कार्यरत शरीर क्रियात्मक तंत्र अप्रभावी हो जाते हैं तथा दबाव संबंध रोगों, जैसे - उच्च रक्तचाप की संभावना बढ़ जाती है। (प्रत्येक चरण का 1 अंक) अथवा दबाव के कारण प्रतिरक्षा तंत्र की कार्यप्रणाली दुर्बल हो जाती है जिसके कारण बीमारी उत्पन्न हो सकती है। प्रतिरक्षा तंत्र शरीर के भीतर तथा बाहर से होने वाले हमलों से शरीर की रक्षा करता है प्रतिरक्षा तंत्र में श्वेत रक्त कोशिकाएं बाह्य तत्व जैसे वायरस को पहचान कर नष्ट करता है और रोग प्रतिकारकों का निर्माण भी करता है। (1 अंक)	1+1+1	63

Downloaded from cclchapter.com

	प्रतिरक्षा तंत्र में ही टी - कोशिकाएं, बी - कोशिकाएं तथा प्राकृतिक रूप से नष्ट करने वाली कोशिकाओं सहित कई प्रकार के शवेताणु होते हैं। टी कोशिकाएं हमला करने वालों को नष्ट करती हैं तथा टी सहायक कोशिकाएं प्रतिरक्षात्मक क्रियाओं में वृद्धि करती है प्राकृतिक रूप से नष्ट करने वाली कोशिकाएं वायरस तथा ट्यूमर दोनों के विरुद्ध लड़ाई करती हैं। (2 अंक) Selye conducted his study on animals and their reaction towards high temperature, x-rays and insulin injections for a long period of time.He also observed patients with various injuries and illnesses. Selye noticed a similar pattern of bodily response in all of them. He called this pattern the General Adaptation Syndrome (GAS). He has categorized GAS model in three stages: 1. Alarm reaction: The presence of a noxious stimulus or stressor leads to activation of the adrenal pituitary-cortex system. This triggers the release of hormones producing the stress response. Now the individual is ready for fight or flight. 2. Resistance:If stress is prolonged, the resistance stage begins. The parasympathetic nervous system calls for more cautious use of the body's resources. The organism makes efforts to cope with the threat, as through confrontation. 3. Exhaustion:Continued exposure to the same stressor or additional stressors drains the body of its resources and leads to the third stage of exhaustion. The physiological systems involved in alarm reaction and resistance become ineffective and susceptibility to stress-related diseases such as high blood pressure becomes more likely. (1Mark for each) OR Stress can cause illness by impairing the workings of the immune system. The immune system guards the body against attackers, both from within and outside. (1Mark) The white blood cells within the immune system identify and destroy foreign bodies (antigens) such	1+2 1+1+1	63 59

Downloaded from cclchapter.com

	as viruses. It also leads to the production of antibodies. There are several kinds of white blood cells or leucocytes within the immune system, including T cells, B cells and natural killer cells. T cells destroy invaders, and T-helper cells increase immunological activity cells produce antibodies. Natural killer cells are involved in the fight against both viruses and tumors. Stress can affect natural killer cell cytotoxicity, which is of major importance in the defense against various infections and cancer. Studies reveal that immune functioning is better in individuals receiving social support. Also, changes in the immune system will have more effect on health among those whose immune systems are already weakened. (2 Marks)	1+2	59
25	मनोग्रस्ति व्यवहार:-यह किसी विशेष विचार या विषय पर चिंतन को रोक पाने की असमर्थता है। इससे ग्रस्त व्यक्ति अक्सर अपने विचारों को अप्रिय और शर्मनाक समझता है। (1.5 अंक) बाध्यता विकार: - किसी व्यवहार को बार बार करने की आवश्यकता। कई तरह की बाध्यता में गिनना, आदेश देना, जांचना, छूना और धोना शामिल है। (1.5 अंक) Obsession is the inability to stop thinking about a particular idea or topic. The person involved, often finds these thoughts to be unpleasant and shameful. (1.5 Marks) Compulsion is the need to perform certainbehaviors over and over again. Many compulsions deal with counting, ordering, checking, touching and washing. (1.5 Marks)	1.5+1.5 1.5+1.5	83 77
26	मनश्चिकित्सा उपचार चाहने वाले या सेवार्थी तथा उपचार करने वाले या चिकित्सक के बीच में एच्छिक संबंध है। इस संबंध का उद्देश्य उन मनोवैज्ञानिक समस्याओं का समाधान करना होता है जिनका सामना सेवार्थी द्वारा किया		

Downloaded from cclchapter.com

	जा रहा हो यह संबंध सेवार्थी के विश्वास को बनाने में सहायक होता है। (1.5 अंक) मनश्चिकित्सा के उद्देश्य निम्नलिखित हैं - 1. सेवार्थी के सुधार के संकल्प को प्रबलित करना। 2 संवेगात्मक दबाव को कम करना । 3. सकारात्मक विकास के लिए संभाव्यताओं को प्रकट करना। 4. आदतों में संशोधन करना। 5. चिंतन के प्रतिरूपों में परिवर्तन करना। 6. आत्म जागरूकता को बढ़ाना। (1.5 अंक) Psychotherapy is a voluntary relationship between the one seeking treatment or the client and the one who treats or the therapist. The purpose of the relationship is to help the client to solve the psychological problems being faced by her or him. (1.5 Marks) All psychotherapies aim at following goals : (i) Reinforcing client's resolve for betterment. (ii) Lessening emotional pressure. (iii) Unfolding the potential for positive growth. (iv) Modifying habits. (v) Changing thinking patterns. (vi) Increasing self-awareness. (1.5 Marks)	1.5+1.5 1.5+1.5	97 90
27	अभिवृत्ति मन की एक अवस्था है यह किसी विषय के संबंध में विचारों का एक पुंज है जिसमें एक मूल्यांकनपरक विशेषता पाई जाती है। इससे संबद्ध एक सांवेगिक घटक होता है तथा अभिवृत्ति विषय के प्रति एक विशेष प्रकार से क्रिया करने की प्रवृत्ति भी पाई जाती है विचारपरक घटक को संज्ञानात्मक पक्ष कहा जाता है। सांवेगिक घटक को भावात्मक पक्ष के रूप में जाना जाता है। व्यवहारपरक घटक को क्रिया करने की प्रवृत्ति या क्रियात्मक घटक कहा जाता है। अथवा	1+1+1	114

Downloaded from cclchapter.com

	पूर्वाग्रह किसी विशिष्ट समूह के प्रति अभिवृत्ति का उदाहरण है। यह नकारात्मक होते हैं एवं अनेक स्थितियों में विशिष्ट समूह के संबंध में रूढ़धारणा पर आधारित होते हैं। (1 अंक) **रूढधारणा** किसी विशिष्ट समूह की विशेषताओं से संबंधित विचारों का एक पुंज या गुच्छा होती है। इस समूह के सभी सदस्य इन विशेषताओं से युक्त माने जाते हैं। रूढ धारणाएं लक्ष्य समूह के बारे में अवांछित विशेषताओं से युक्त होती है। यह विशिष्ट समूह के सदस्यों के बारे में एक नकारात्मक अभिवृत्ति को जन्म देती है। (1अंक) पूर्वाग्रह के संज्ञानात्मक घटक के साथ प्राय: नापसंद का भाव जुड़ा होता है और जब लोग एक विशेष लक्ष्य समूह के प्रति समूह की तुलना में जिसे वे पसंद करते हैं कम सकारात्मक तरीके से व्यवहार करते हैं (1 अंक) Attitude is a state of the mind, a set of views, or thoughts, regarding some topic which has an evaluative feature (positive, negative or neutral quality). Attitude is accompanied by A-B-C components and they are: 1 Affective Component: is an emotional component. 2 Behavioral Component:a tendency to act in a particular way with regard to the attitude object is categorized as behavioral component. 3 Cognitive Component:The thought component is referred to as the cognitive aspect. necessarily be found in all situations. OR Prejudices are examples of attitudes towards a particular group. They are usually negative, and in many cases, may be based on stereotypes about the specific group. (1Mark) Stereotype is a cluster of ideas regarding the characteristics of a specific group. (1Mark)	1+1+1 1+1+1	125 108

Downloaded from cclchapter.com

	Prejudice generally based on ethnicity, race, gender, caste and the like who mostly tend to show negative feelings towards people belonging to other groups while Stereotype described as classifying people based on their membership in a particular group, based on a certain preconceived belief which can be negative, positive or neutral (1Mark)	1+1+1	119
	PART - D		
28	बहुबुद्धि का सिद्धांत गार्डनर ने दिया है। गार्ड्नर के अनुसार बुद्धि कोई एक तत्व नहीं है बल्कि भिन्न भिन्न प्रकार की बुद्धियों का अस्तित्व होता है । (1 अंक) गार्ड्नर ने आठ प्रकार की बुद्धियों का वर्णन किया है। ये निम्न हैं – 1. **भाषागत -**यह अपने विचारों को प्रकट करने तथा दूसरे व्यक्तियों के विचारों को समझने हेतु प्रवाह तथा नम्यता के साथ भाषा का उपयोग करने की क्षमता है। जिन व्यक्तियों मे यह बुद्धि आधिक होती है वे 'शब्द कुशल' होते हैं। उदाहरण - लेखक ,कवि 2. **तार्किक -गणितीय** -इस प्रकार की बुद्धि अधिक रखने वाले व्यक्ति तार्किक तथा आलोचनात्मक चिंतन कर सकते हैं। वे अमूर्त तर्कना कर लेते हैं और गणितीय समस्याओं के हाल के लिए प्रतीकों का प्रहस्तन अच्छी प्रकार से कर लेते है। **उदाहरण -**वैज्ञानिक,नोबेल पुरस्कार विजेता 3. **देशिक**- यह मानसिक बिंबों को बनाने, उनका उपयोग करने तथा उनमे मानसिक धरातल पर परिमार्जन करने की योग्यता है। उदाहरण -विमान चालक ,नाविक , मूर्तिकार ,वास्तुकार, आंतरिक साज सज्जा के विशेषज्ञ		

Downloaded from cclchapter.com

	4. सं**गीतात्मक** -सांगीतिक अभिरचनाओं को उत्पन्न करने ,उनका सृजन तथा प्रहस्तन करने की क्षमता सांगीतिक योग्यता कहलाती है। उदाहरण - गायक,संगीतज्ञ 5. **शारीरिक गतिसंवेदी** -शारीरिक प्रदर्शन के लिए सम्पूर्ण शरीर अथवा उसके किसी एक या एक से अधिक अंग की लोच तथा पेशीय कौशल की योग्यता । उदाहरण, धावक ,नृतक,खिलाडी, जिमनास्ट 6. **अंतरव्यक्तिक** -इस योग्यता द्वारा व्यक्ति दूसरे व्यक्तियों की अभिप्रेरणाओं या उद्देश्यों, भावनाओं तथा व्यवहारों का सही बोध करते हुए उनके साथ मधुर संबंध स्थापित करता है। उदाहरण -मनोवैज्ञानिक ,परामर्शदाता, राजनीतिज्ञ ,धार्मिक नेता 7. **अंतःवयक्ति**-इस योग्यता के अंतर्गत व्यक्ति को अपनी शक्ति तथा कमजोरियों का ज्ञान और उस ज्ञान का दूसरे व्यक्तियों साथ सामाजिक अन्तःक्रिया मे उपयोग करने का कौशल शामिल है। **8. प्रकृतिवादी -**यह प्रकृति के प्रति संवेदना की योग्यता है। उदाहरण -शिकारी, किसान, पर्यटक, वनस्पति विज्ञानी, पक्षीविज्ञानी, प्राणिविज्ञानी, (प्रत्येक बुद्धि के लिए 0.5 अंक) **अथवा** **अभिक्षमता -**किसी व्यक्ति की कौशलों के अर्जन के लिए अंतर्निहित संभव्यता से है। अभिक्षमता विशेषताओं का ऐसा संयोजन है जो व्यक्ति द्वारा प्रशिक्षण उपरांत किसी विशेष क्षेत्र के ज्ञान अथवा कौशल के अर्जन की क्षमता को प्रदर्शित करता है। (1 अंक) **अभिरुचि** -किसी विशेष कार्य करने की वरीयता अभिरुचि है। किसी व्यक्ति में किसी कार्य को करने की अभिरुचि हो सकती है परंतु हो सकता है की उसे करने की योग्यता उसमे न हो। इसी प्रकार यह संभव है कि किसी व्यक्ति में किसी कार्य को करने की अभिक्षमता हो परंतु उसमे उसकी	1+4	7

Downloaded from cclchapter.com

	कोई अभिरुचि न हो। इन दोनों ही दशाओं मे उसका निष्पादन संतोषजनक नही होगा। (1 अंक) **बुद्धि** -बुद्धि का मापन करने की प्रक्रिया में मनोवैज्ञानिकों को यह ज्ञात हुआ की समान बुद्धि रखने वाले व्यक्ति भी किसी विशेष क्षेत्र के ज्ञान अथवा कौशलों को भिन्न- भिन्न दक्षता के साथ अर्जित करते हैं। (1 अंक) अभिक्षमता परीक्षण दो रूपों में प्राप्त होते हैं -स्वतंत्र अभिक्षमता परीक्षण तथा बहुल अभिक्षमता परीक्षण **स्वतंत्र अभिक्षमता परीक्षणों के उदाहरण** -लिपिकीय अभिक्षमता ,यांत्रिक अभिक्षमता ,अंकिक अभिक्षमता तथा टंकण अभिक्षमता। बहुल अभिक्षमता परीक्षणों में एक परीक्षण माला होती है उदाहरण- विभेदक अभिक्षमता परीक्षण (डी.ए.टी.),सामान्य अभिक्षमता परिक्षणमाला (जी ए टी बी) (2 अंक) Gardener proposed the theory of multiple intelligences. According to Gardner, intelligence is not a single entity, rather distinct types of intelligences exist. (1 Mark) Gardener described eight types of intelligence. These are follows; 1. Linguistic: it is the capacity to use language fluently and flexibly to express one's thinking and understand others. Persons high on this intelligence are 'word smart'.Example-poets, writers. 2. Logical Mathematical: persons high on this type of intelligence can think logically and critically. They engage in abstract reasoning, and can manipulate symbols to solve mathematical problems. Example- Scientist and Nobel prize winners 3. Spatial: skills in forming visual images and patterns. Example-Pilots, sailors, painters etc. 4. Musical: it is the capacity to produce, create and manipulate musical patterns.	1+1+1+2	19

Downloaded from cclchapter.com

	Example-singers, musician 5. Bodily-Kinesthetic: this consists of the use of whole body or portions of it for display or construction of products and problem solving Example-Athletes, dancers, actors, gymnasts and surgeons. 6. Interpersonal: This is the skill of understanding the motives,feelings and behaviors of other people so as to bond into a comfortable relationship with others. Example- psychologists, counselors, politicians, social workers, and religious leaders 7. Intrapersonal: awareness of one's own feelings, motives and desires Example-Philosophers and spiritual leaders 8. Naturalistic: sensitivity to the features of the natural world.Example- Hunters, farmers, tourists, zoologists. (0.5for each type of intelligence) OR Aptitude: It refers to special abilities in a particular field of activity.It is a combination of characteristics that indicates an individual's potential to acquire skill after training. (1 Mark) Interest: it is a preference for a particular activity. A person may be interested in particular job or activity but may not have the aptitude for it. Similarly, a person may have the aptitude for performing a job nut may not be interested in doing that. In both the situations outcome will not be the satisfactory. (1 Mark) Intelligence: while assessing intelligence psychologists often found that people with similar intelligence differed widely in acquiring certain knowledge or skills. (1 Mark) –Aptitude tests are available in two forms: independent aptitude test and multiple aptitude test -Example of independent aptitude tests are: Clerical aptitude, Mechanical Aptitude, Numerical Aptitude and Typing aptitude tests	1+4 1+1+1+2	7 17,18

Downloaded from cclchapter.com

	- multiple aptitude tests exist in the form of test batteries e.g., DAT (Differential Aptitude Test) GATB (General Aptitude Tests Battery) (2 Marks)		
29	मानवतावादी उपागम-इस उपागम का विकास कार्ल रोजर्स एवं अब्राहम मैसलो द्वारा किया गया। रोजर्स ने पूर्णतः प्रकार्यशील व्यक्ति का विचार दिया; उनका विश्वास है की व्यक्तित्व के विकास के लिए संतुष्टि अभिप्रेरक शक्ति है। लोग अपनी क्षमताओं, संभाव्यताओं और प्रतिभाओं को संभव सर्वोत्कृष्ट तरीके से अभिव्यक्त करने का प्रयास करते हैं। रोजर्स ने दो आधारभूत अभिग्रह निर्मित किए हैं -एक यह कि व्यवहार लक्ष्योन्मुक्त व सार्थक होता है और दूसरा यह की लोग सदैव अनुकूली तथा आत्मसिद्धि वाले व्यवहारों का चयन करेंगे। रोजर्स ने सुझाव दिया है कि प्रत्येक व्यक्ति के पास आदर्श अहम या आत्म का एक संप्रत्यय होता है। आदर्श आत्म वह आत्म होता है जो कि एक व्यक्ति बनना चाहता है। जबकि वास्तविक आत्म और आदर्श आत्म के बीच समरूपता होती है तो व्यक्ति सामान्यतया प्रसन्न रहता है और विसंगति के कारण अप्रसन्न व असंतोष का भाव रहता है। रोजर्स का एक आधारभूत सिद्धांत है कि लोगों में आत्मसिद्धि के माध्यम से आत्म संप्रत्यय को अधिकतम विकसित करने की प्रवृति होती है। रोजर्स व्यक्तित्व विकास को एक सतत प्रक्रिया के रूप में देखते हैं। मैसलो के अनुसार आत्मसिद्धि वह अवस्था होती है जिसमे लोग अपनी सम्पूर्ण संभव्यताओं को विकसित कर चुके होते हैं। मैसलो ने मनुष्यों का आशावादी और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया है जिसके अंतर्गत मानव मे प्रेम, हर्ष और सृजनात्मक कार्यों को करने की संभाव्यता होती है। अभिप्रेरणाओं और विश्लेषण के द्वारा आत्मसिद्धि को संभव बनाया जा सकता है।	2.5+2.5	43

Downloaded from cclchapter.com

	मानवतावादी उपागम जीवन के सकारात्मक पक्षों के महत्व पर बल देता है। अथवा प्रेक्षण एक व्यक्तित्व मूल्यांकन की विधि है यद्यपि हम लोगों को ध्यानपूर्वक देखते हैं और उनके व्यक्तित्व के प्रति छवि का निर्माण करते हैं तथापि व्यक्तित्व के मूल्यांकन के लिए प्रेक्षण विधि का उपयोग एक अत्यंत परिष्कृत प्रक्रिया है जिसको अप्रशिक्षित लोगों द्वारा उपयोग में नहीं लाया जा सकता। इसमें प्रेक्षक का विशिष्ट प्रशिक्षण और किसी व्यक्ति विशेष के व्यक्तित्व के मूल्यांकन के लिए व्यवहारों के विश्लेषण के बारे में विस्तृत मार्गदर्शी सिद्धांत भी अपेक्षित होते हैं उदाहरण के लिए एक नैदानिक मनोवैज्ञानिक अपने सेवार्थी की उसके परिवार के सदस्यों या अतिथियों के साथ होने वाली अंतःक्रियाओं का प्रेक्षण कर सकता है। सावधानी से अभिकल्पित प्रेक्षण के साथ एक नैदानिक मनोवैज्ञानिक अपने सेवार्थी के बारे में पर्याप्त अंतर्दृष्टि विकसित कर सकता है। (3 अंक) व्यापक उपयोग के बाद भी प्रेक्षण विधि में सीमाएं पाई जाती हैं - इन विधियों द्वारा उपयोगी प्रदत्त के संग्रह के लिए अपेक्षित व्यावसायिक प्रशिक्षण कठिन और समयसाध्य होता है। इन तकनीकों द्वारा वैध प्रदत्त प्राप्त करने के लिए मनोवैज्ञानिक मे भी परिपक्वता आवश्यक होती है। प्रेक्षक की उपस्थिति मात्र परिणामों को दूषित कर सकती है। एक अपरिचित के रूप मे प्रेक्षक प्रेक्षण किए जाने वाले व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित कर सकता है जिसके कारण प्राप्त प्रदत्त अनुपयोगी हो सकते हैं। (2 अंक) Humanistic Approach to personality- Carl Rogers and Abraham Maslow developed humanistic theory. -Fully Functioning Person this idea given by Rogers; he said that fulfillment is the motivating force for personality development. People try to	3+2	49

Downloaded from cclchapter.com

	express their capabilities, potentials and talents to the fullest extent possible. -Rogers makes two basic assumptions – One is that behavior is goal directed and worthwhile.The second is that people will almost choose adaptive self-actualizingbehavior. -Rogers suggested that each person also has an ideal self. -Ideal self is the self that a person would like to be. When there is correspondence between the real self and ideal self, a person becomes unhappy. -Roger' basic principle is that people have a tendency to maximize self-concept through self-actualization. -In the process of self-actualization people grow, expands and becomes more social. -Rogers views personality development is continuous process. It involves learning to evaluate oneself and mastering the process of self-actualization. According to Maslow, Self-actualization a state in which people have reached their fullest potential. Maslow had an optimistic and positive view of man who has the potentialities for love, joy and to do creative work. Human beings are considered free to shape their lives and to self-actualize Self-Actualization becomes possible by analyzing the motivations that govern our life. OR Observational is very commonly used for the assessment of personality. Although all of us watch people and form impressions about their personality use of observation for personality assessment is a sophisticated procedure that cannot be carried out by untrained people. It requires careful training of observer and a fairly detailed guideline about analysis of behaviors in order to assess the personality of a given person. For example, a clinical psychologist may like to observe a client's interaction with family members and home visitors With carefully designed observation the clinical psychologist may gain considerable insight into a client's personality.	2.5+2.5	40

Downloaded from cclchapter.com

	(3 Marks) Limitations: 1. Professional training required for collection of data through these methods is time consuming and quite demanding. 2. Maturity of the psychologist is a precondition for obtaining valid data. 3. Mere presence of the observer may contaminate the results. As a stranger the observer may influence the behavior of the person being observed and thus not obtain good data. (2 Marks)	3+2	46
30	विचारों और संवेगों के बीच संयोजन विच्छेद का हो जाना विच्छेदन कहलाता है। विच्छेदन में अवास्तविकता की भावना, मनमुटाव, व्यक्तित्व लोप और कभी कभी अस्मिता लोप या परिवर्तन पाया जाता है। इस समूह में चार स्थितियाँ शामिल होती हैं -विच्छेदी स्मृतिलोप, विच्छेदी आत्मविस्मृति, विच्छेदी पहचान विकार तथा व्यक्तित्व लोप **1.विच्छेदी स्मृतिलोप** -इसमे अत्यधिक किन्तु चयनात्मक स्मृतिभ्रंश होता है जिसका कोई आंगिक कारण नहीं होता। कुछ लोगों को अपने अतीत के बारे में कुछ भी याद नहीं रहता। कुछ लोग विशिष्ट घटनाएं, लोग, स्थान, वस्तुएं याद नहीं कर पाते, जबकि दूसरी घटनाएं बिल्कुल याद रहती हैं। **2.विच्छेदी आत्मविस्मृति-** इस विकार से पीड़ित व्यक्ति घर और कार्यस्थल से अप्रत्याशित यात्रा, एक नई पहचान की अवधारणा तथा पुरानी पहचान को याद नहीं कर पाते। आत्मविस्मृति समाप्त हो जाती है जब व्यक्ति अचानक जागता है ओर तब उसे आत्मविस्मृति की घटना याद नहीं रहती। **3. विच्छेदी पहचान विकार-** इस विकार को बहुव्यक्तित्व वाला कहा जाता है। यह सभी विकारों में सबसे अधिक नाटकीय होता है। यह बाल्यावस्था के अभिघातज अनुभवों से संबधित होता है। **4. व्यक्तित्व लोप-** यह एक स्वपन जैसी अवस्था होती है जिसमे व्यक्ति को स्व और वास्तविकता दोनों से अलग		

Downloaded from cclchapter.com

	अनुभूति होती है। इस विकार में आत्म प्रत्यक्षण में परिवर्तन होता है और व्यक्ति का वास्तविकता बोध अस्थाई स्तर पर लुप्त हो जाता है। (परिभाषा का 1 अंक, प्रत्येक लक्षण का 1 अंक) **अथवा** **मनोविदलता** एक ऐसा वर्णनात्मक शब्द है जो मनस्तापी विकारों के एक समूह के लिए प्रयोग किया जाता है जिसमे व्यक्ति की चिंतन प्रक्रिया मे बाधा, विचित्र प्रत्यक्षण, अस्वाभाविक सावेंगिक स्थितियाँ तथा पेशीय अपसामान्यता के परिणामस्वरूप उसकी व्यक्तिगत, सामाजिक और व्यावसायिक गतिविधियों में अवनति हो जाती है। मनोविदलता के तीन लक्षण हैं - • सकारात्मक लक्षण • नकारात्मक लक्षण • मन:चालित लक्षण **<u>सकारात्मक लक्षण</u>**-इन लक्षणों मे व्यक्ति के व्यवहार में 'विकृत अतिशयता' तथा 'विलक्षणता का बढ़ना' पाया जाता है। मनोविदलता से ग्रसित व्यक्तियों में भ्रमासक्ति, असंगठित चिंतन एवं भाषा, प्रवर्धित प्रत्यक्षण और विभ्रम तथा अनुपयुक्त भाव पाए जाते हैं। **1. भ्रमासक्ति -** यह एक झूठा विश्वास है जो अपर्याप्त आधार पर बहुत मजबूती से टिका होता है । मनोविदलता में - उत्पीड़न भ्रमासक्ति संदर्भ भ्रमासक्ति अत्यहंमन्यता भ्रमासक्ति नियंत्रण भ्रमासक्ति पाई जाती है **2. औपचारिक चिंतन -** मनोविदलता में व्यक्ति तर्कपूर्ण ढंग से नहीं सोच सकते तथा विचित्र प्रकार से बोलते हैं। **3. विभ्रांति -** बिना किसी बाह्य उद्दीपक के प्रत्यक्षण करना। जैसे-श्रवण विभ्रांति, स्पर्शी विभ्रांति, दैहिक विभ्रांति,दृष्टि विभ्रांति,रस संवेदी विभ्रांति, घ्राण विभ्रांति। **4. अनुपयुक्त भाव -** मनोविदलता के रोगी स्थिति के अनुरूप संवेग प्रदर्शित नहीं करते ।	1+1+1+1+1 1+1+1+1+1	84 87

Downloaded from cclchapter.com

	<u>नकारात्मक लक्षण</u> इन लक्षणों में वाक् अयोग्यता , विसंगत एवं कुंठित भाव, इच्छाशक्ति का ह्रास पाया जाता है। इन लक्षणों में अलोगिया या वाक् अयोग्यता, भाषा या बोलने की कमी, विसंगत भाव, अन्य लोगों की तुलना मे कम खुशी, उदासी, क्रोध तथा अन्य भावनाएं प्रदर्शित करना शामिल हैं। **<u>मन:चालित लक्षण -</u>** मनोविदलता के रोगी अस्वाभाविक रूप से चलते तथा विभिन्न मुख विकृतियाँ एवं मुद्राएं प्रदर्शित करते हैं। इनमें कैटाटोनिक जड़िमा, कैटाटोनिक दृढ़ता, कैटाटोनिक संस्थिति शामिल है। (परिभाषा का 1 अंक, प्रत्येक लक्षण का 1 अंक) **Dissociation:** it can be viewed as severance of the connections between ideas and emotions. Dissociation involves feeling of unreality, depersonalization and sometimes loss of identity. Four conditions are included in this group: **1.Dissociative amnesia**: selective memory loss that has no known organic cause (e.g., head injury). Some people cannot remember anything about their past. Some people can no longer recall specific events, people, places, or objects while their memory for other events remain intact. **2**.**Dissociative fugue:** it's essential feature an unexpected travel away from home and workplace, the assumption of new identity, and the inability to recall the previous identity. **3. Dissociative identity disorder**: often refers to as multiple personality, is the most dramatic of the dissociative disorders. It is often associated with traumatic experiences in childhood. **4.Depersonalization**: It involves a dream like state in which the person has a sense of being separated both from self and from reality. In depersonalization, there is a change of self-perception, and the person's sense of reality is temporarily lost or changed. (1 Mark for definition,1 Mark for each type)	1+1+1+1+1	78

Downloaded from cclchapter.com

	OR **Schizophrenia**: it is the descriptive term for a group of psychotic disorders in which personal, social and occupational functioning deteriorate as a result of disturbed thought process, strange perceptions, unusual emotional states and motor abnormalities. The symptoms of schizophrenia can be grouped into three categories, A.Positive symptoms B.Negative symptoms C.Psychomotor symptoms **A. Positive symptoms**: Delusions,disorganized speech and thinking, heightened perception, hallucination and inappropriate affects are the ones most often found in schizophrenia. **1.Delusions:** a delusion is a false belief that is firmly held on inadequate grounds -Delusions of persecution -Delusions of reference -Delusions of grandeur -Delusion of control **2.Formal thought disorders** Extremely difficulty in communication. Rapidly shifting from one topic to another. **3.Hallucinations:** Perception that occurs in absence of external stimuli. -Auditory hallucinations. -Tactile hallucinations **B.Negative symptoms** are pathological deficits that include poverty of speech, loss of volition and social withdrawal. **C.Psychomotor symptoms**: a. catatonia b. catatonic stupor c. catatonic rigidity d. catatonic posturing (1 Mark for definition,1 Mark for each type)	1+1+1+1+1	80

- यदि परीक्षार्थी ने अंक योजना से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएं।

Downloaded from cclchapter.com

- If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme he or she may be awarded marks.

Downloaded from cclchapter.com